आठवीं योजना अवधि के दौरान 580 लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया जाना

985. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2002 के लिये निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु देश में आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक 589 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करना होगा;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 580 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिये आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान रोजगार के अवसरों में प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक होगी ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अभी तक विगत वर्षों में रोजगार के अवसरों की वृद्धि दर कितनी रही है ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गमांग): (क) से (ग) जी, नहीं । वर्ष 2002 तक पूर्ण रोजगार की स्थिति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 43 मिलियन अतिरिक्त रोजगार अवसरों की आवश्यकता होगी । इसका निहितार्थ है कि प्रतिवर्ष लगभग 2.6 प्रतिशत से 2.8 प्रतिशत की रोजगार वृद्धि दर हो । योजना के प्रथम तीन वर्षों में लगभग 19.6 बिलियन अतिरिक्त रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है ।

पूंजी-निवेश में वृद्धि

986. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या योजना और कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विगत कुछ वर्षों में पूंजी-निवेश की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि भारी विदेशी व स्वदेशी पूंजी निवेश के बावजूद परियोजनाओं के कार्यान्वयन में निरन्तर कमी आयी है; और

(ग) यदि नहीं, तो वर्ष 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान स्वीकृत पूंजी-निवेश की मात्रा क्या थी तथा परियोजनाओं के निर्माणार्थ कुल कितनी पूंजी का निवेश किया गया था?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गमांग): (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान कार्यान्वयनाधीन रही 20 करोड़ रु० और उससे अधिक लागत वाली केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों की परियोजना के व्यय में वृद्धि हुई है । पिछले तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र में 20 करोड़ रु० से अधिक लागत वाली लगभग 158 नई परियोजनाओं को कार्यान्वयन हेतु हाथ में लिया गया ।

(ग) जोड़ी गई नई परियोजनाओं और वर्ष 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान चल रही सभी परियोजनाओं पर किये गये व्यय का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।